वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 252 | शुक्रवार 6 जनवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल से उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री की शिष्टाचार भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र से गुरुवार को राजभवन में उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

सजने लगा पतंगों का बाजार

आवासन आयुक्त ने की विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा

दिए जरूरी दिशा निर्देश कोचिंग हब के स्कल्पचर के डिजाइन को अंतिम रूप देने पर भी हुई विस्तार से चर्चा

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान आवासन मंडल आयुक्त पवन अरोड़ा ने गुरुवार को मंडल मुख्यालय पर एक अहम बैठक में प्रदेश भर में चल रही विभिन्न परियोजनाओं सहित जयपुर के कोचिंग हब के स्कल्पचर की डिजाइन को अंतिम रूप देने के लिए विस्तार से चर्चा कर जरूरी दिशा निर्देश दिए। अरोड़ा ने कहा कि मंडल द्वारा सभी निमार्णाधीन भवनों को आकर्षक लुक दिया जा रहा है। कोचिंग हब में छात्र-छात्राओं और आगंतुकों को सकारात्मक माहौल उपलब्ध कराने के लिए भवन को आकर्षक बनाया जा रहा है। जयपुर प्रताप नगर के सेक्टर 16 में बन रहे कोचिंग हब को विश्वस्तरीय और आकर्षक बनाने के लिए मैसर्स आइडिया, मैसर्स मानव मूर्ति आर्ट के प्रतिनिधियों ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण में भवन के मेन एंट्रेंस, एंपीथियेटर, लाइब्रेरी, स्पोर्ट्स एरिना के स्कल्पचर की डिजाइन के कई विकल्प प्रस्तुत किए। आयुक्त ने डिजाइनों में सुधार के कई अहम सुझाव भी दिए। बैठक में सचिव अल्पा चौधरी, मुख्य अभियंता के.सी. मीना, वित्तीय सलाहकार संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता प्रथम अमित अग्रवाल सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। गौरतलब है कि प्रताप नगर के हल्दीघाटी मार्ग स्थित 65 हजार वर्ग मीटर भूमि पर दो चरणों में कोचिंग हब विकसित किया जा रहा है। इससे लगभग 65 से 70 हजार छात्रों को शैक्षणिक सुविधा का लाभ मिलेगा। पहले चरण में निर्मित 5 ब्लॉक में कुल 140 कोचिंग परिसरों का निर्माण किया गया है। करीब 1588.06 वर्गफीट से 8025.56 वर्गफीट तक सुपर बिल्टअप क्षेत्रफल के इन सभी कोचिंग परिसरों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

हेरिटेज निगम का खजाना खाली, अब बड़े बकायादारों के बजेंगे कुर्की के ढोल

जयपुर. शाबाश इंडिया

हेरिटेज नगर निगम का खजाना खाली है। निगम अफसर राजस्व वसूली में फिसड्डी साबित हो रहे है। अब निगम ने बड़े बकायादारों की संपत्ति सील करने की तैयारी कर ली है। इसके लिए एक टीम का गठन किया जा रहा है। यह टीम यूडी टैक्स के बड़े बकायादारों की संपत्ति को कुर्क करेगी। हेरिटेज नगर निगम में नगरीय विकास कर (यूडी टैक्स) के 275.43 करोड़ रुपए बकाया है, इसमें तक निगम प्रशासन टारगेट का सिर्फ 26 फीसदी ही वसूल कर पाया है। हेरिटेज नगर निगम प्रशासन ने नवम्बर 2022 तक 46.87 करोड़ यूडी टैक्स वसूल करने का लक्ष्य तय किया था, लेकिन इस टैक्स पेटे नवम्बर तक केवल 12.58 करोड़ रुपए ही वसूली हो पाई है। निगम के आदर्श नगर

जोन में निगम प्रशासन ने साल 2022-23 में 8.10 करोड़ रुपए यूडी टैक्स वसूली का लक्ष्य तय किया। वहीं 1 अप्रेल 2022 से 29 नवम्बर 2022 तक 5.40 करोड़ लक्ष्य रखा था, लेकिन इस अवधि में सिर्फ 2.11 करोड़ रुपए ही राजस्व वसूल कर पाए। वहीं सिविल लाईन जोन में नवम्बर तक 26.96 करोड़ रुपए राजस्व वसूली का लक्ष्य रखा गया, लेकिन इस दौरान सिर्फ 6.84 करोड़ रुपए ही वसूल कर पाए। ऐसे ही हाल हवामहल-आमेर जोन क्षेत्र में रहे, यहां नवम्बर तक 6.43 करोड़ रुपए राजस्व वसूली का टारगेट रखा गया। जबकि 1 अप्रेल से नवम्बर 2022 तक 1.28 करोड़ रुपए यूडी टैक्स के वसूल कर पाए। बात करें किशनपोल जोन क्षेत्र की तो यहां निगम प्रशासन ने नवम्बर तक 8.08 करोड़ रुपए राजस्व वसूली का टारगेट रखा, जिसमें सिर्फ 2.35 करोड़ रुपए ही राजस्व वसूली कर पाए। हेरिटेज नगर निगम प्रशासन की अब नगरीय विकास कर के बड़े बकायादारों पर नजर है। इनसे राजस्व वसूली के लिए अब सेंट्रल टीम बनाई जाएगी।

नए साल में धूम्रपान को कहें "ना"

योग-प्राणायाम दिलायेगा

धूम्रपान की लत से छुटकारा

सांसों को जब खुली हवा मिलती है, तो जिंदगी खुशहाल होती है. जबकि, धुएं की कैद में आकर कितने परिवार बिखरते देखे गये हैं. धूम्रपान की बुरी लत के खिलाफ सामाजिक जागरुकता के लिए हर वर्ष नौ मार्च को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है. आइए संकल्प करें कि अपने और अपनों के लिए इस जानलेवा लत से बाहर निकलेंगे. साथ ही सेहत को मजबूत बनायेंगे.

योगेंद्र प्राणायाम- 1

अपने पैरों को फैलाकर खड़े हो जाएं, चाहें तो वज्रासन या सुखासन में बैठ भी सकते हैं. आराम से गहरी सांस अंदर भरें और मन ही मन गिनती करते रहें. कोई जोर-जबरदस्ती नहीं करनी है. जितनी देर सहज रहें, उतनी ही देर सांस को अंदर रोकें रखें और फिर वापस गिनती करते हुए सांस बाहर छोड़ें. इसका अभ्यास सांस अंदर लेने और बाहर छोड़ने के समय को समान करने में मदद करता है. अपनी सांसों पर मन को एकाग्र करें. सुबह-सुबह और फिर रात को सोने से पहले इसका अभ्यास कर सकते हैं.

लाभ : मन की एकाग्रता बढ़ती है व मानसिक विकार दूर होते हैं.

सावधानी : जल्दी लाभ लेने के लिए गिनती बढ़ाने का लोभ न करें. हर हफ्ते चरणबद्ध तरीके से गिनती बढ़ाएं.

आसन-प्राणायाम करेगा सहायता

योग में हरेक मर्ज का इलाज है. इसलिए हम आपको बता रहे हैं विशेषज्ञों के सुझाए कुछ आसन-प्राणायाम जिनके लाभ तो अनेक हैं, पर धूम्रपान की लत को छुड़ाने में भी ये आपको तैयार करेंगे. अपनी सुविधा के अनुसार आप इसे कर सकते हैं.

कपालभाति प्राणायाम

इसके नियमित अभ्यास से फेफड़ों का स्वास्थ्य सुधरता है. धूम्रपान जैसे नशे में जो निकोटीन, कैफीन, मॉर्फीन जैसे तत्व होते हैं, उनकी तलब कम होने लगती है. इसे करने के लिए कमर व रीढ़ की हड्डी को एकदम सीधा रखकर बैठ जाएं और लंबी गहरी सांस लें. पेट में दबाव महसूस करते हुए बल के साथ सांस छोड़ें. इस प्रक्रिया को आप 10-15 मिनट तक कर सकते हैं.

लाभ : शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाये रखने के लिए यह काफी फायदेमंद है.

सावधानी: हर्निया, अल्सर की समस्या हो, तो अपने योग चिकित्सक से परामर्श के बाद यह प्राणायाम करें.

बालासन (चाइल्ड पोज)

बालासन का नियमित अभ्यास करने से धूम्रपान की जरूरत घटती है. सबसे पहले किसी शांत स्थान पर मैट बिछाकर उसपर घुटनों के बल वज्रासन में बैठ जाएं. दोनों टखनों और एड़ियों को आपस में छुआएं. फिर घुटनों को बाहर की तरफ जितना हो सके फैलाएं. गहरी सांस खींचकर आगे की तरफ झुकें और अपने धड़ को अपनी जांघों के बीच रखें. बाहों को आगे की तरफ बढ़ाएं और धीरे-धीरे जितना आगे हाथों को ले जा सकते हैं, ले जाएं और यहां अपने कंधों को फर्श पर आराम दें. इस स्थिति में 30 सेकंड या कुछ मिनट के लिए बने रहने के बाद आसन से बाहर आने के लिए अपने शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर उठाएं.

लाभ : इससे आपका तनाव कम होता है, जिससे धूम्रपान की लत कम होती है.

सावधानी : डायरिया, पेट की सर्जरी, गर्भावस्था में यह आसन न करें.

योगेंद्र प्राणायाम - 4

मैट पर पीठ के बल लेट जाएं और पैरों को एक साथ घुटनों से मोड़कर नितंबों के पास आराम जितना ला सकें, लाएं. अपने किसी हाथ को नाभि पर रख लें व आंखें बंदकर ध्यान सांसों पर केंद्रित करें. सांस के अंदर आने पर पेट में तीन सेकेंड के लिए भरें और अगले तीन सेकेंड में ही बाहर छोड़ते जाएं. इससे पेट ऊपर-नीचे होगा. शवासन करने से पहले भी इसको किया जा सकता है.

लाभ : शरीर को आम व शांति मिलती है.

सावधानी : जब सांस अंदर-बाहर हो रहा हो, तो सीने में कोई हरकत न करें.

अठारहवीं राष्ट्रीय जम्बूरी का दूसरा दिन

जम्बूरी में बैंडवादन और केम्प फायर से जीवंत हुई कला-संस्कृति

साहसिक गतिविधियों ने किया रोमांचित। मरू भूमि की वीरांगनाओं का सम्मान। गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र यादव ने किया जम्बूरी स्थल का भ्रमण, विभिन्न कार्यक्रमों में लिया भाग

जयपुर. शाबाश इंडिया

पाली के रोहट में चल रही 18वीं राष्ट्रीय स्काउट-गाइड जम्बूरी में महामहिम राष्ट्रपति के कथनानुसार मिनी यंग इंडिया का दिग्दर्शन हो रहा है। जम्बूरी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों से जहां देश के विभिन्न प्रान्तों की कला संस्कृति जीवंत हो रही हैं, वहीं साहसिक गतिविधियों के माध्यम से ''**सक्षम और समर्थ युवा भारत**'' का संदेश भी प्रवाहित हो रहा है। जम्बूरी के दूसरे दिन गुरुवार को सामूहिक बैंड वादन सहित विविध स्पर्धाएं हुई, मरू भूमि की वीरांगनाओं का स्कार्फ व शॉल भेंट कर सम्मान किया गया।

संस्कृतियों का संगम देख अभिभूत हुए राज्यमंत्री

जम्बूरी में गुरुवार को गृह एवं उच्च शिक्षा राज्यमंत्री राजेन्द्र यादव भी पहुंचे। इस दौरान यादव के मुख्य आतिथ्य में मंचीय कार्यक्रम हुआ। स्काउट स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने उनका स्वागत करते हुए जम्बूरी की जानकारी दी। राज्यमंत्री यादव ने जम्बूरी की व्यवस्थाओं की सराहना की।

स्काउट-गाइड्स ने नाइट हाइक से जाना ग्रामीण परिवेश

गृह राज्य मंत्री ने आर्य के साथ रोहट पाली में आयोजित राष्ट्रीय जंबूरी के परिसर में हरी झंडी दिखाकर स्काउट्स की टुकड़ी ''नाइट हाइक'' को रवाना किया। नाइट हाइक टुकड़ी नजदीकी गांवों में रात में रुक कर ग्रामीणों के साथ ग्रामीण गतिविधियों और उनकी संस्कृति के बारे में जानने का प्रयास करेंगे। यादव ने जम्बूरी में स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा बनाए गए कैंप के अंदर की सुविधाओं का अवलोकन भी किया और स्काउट्स और गाईड्स के साथ बातचीत की। जम्बूरी में गुरुवार रात सांस्कृतिक संध्या में गुजरात नाइट मनाई गई। इसमें गुजरात से आये स्काउट-गाइड गरबा सहित परंपरा लोक नृत्य एवं गीतों की प्रस्तुति दी। आयोजन के दूसरे दिन, राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव, स्काउट स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य, रोहट प्रधान सुनीता राजपुरोहित, सहित अन्य गणमान्य गण उपस्थित रहे।

अखिल भारत वर्षीय धर्म जाग्रति संस्थान की जोधपुर में प्रांतीय शाखा की स्थापना हुई

जोधपुर. शाबाश इंडिया

अभिक्षण ज्ञानोपयोगी, वात्सल्य रत्नाकर आचार्य गुरूवर 108 वसुनन्दी जी महाराज की प्रेरणा से बनी अखिल भारत वर्षीय धर्म जाग्रति संस्थान की राजस्थान प्रांतीय संस्थान के अंतर्गत राजस्थान के प्रमुख शहर जोधपुर का गठन भी बहुत ही सौहार्द पूर्ण वातावरण में नए साल के प्रथम दिन यानी 1 जनवरी 2023 को किया गया है। राजस्थान प्रांतीय अध्यक्ष पदम बिलाला तथा महामंत्री सुनील पहाड़िया ने बताया कि धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रान्त के उपाध्यक्ष निर्मल कासलीवाल के सानिध्य में जोधपुर संस्था के नवनिर्वाचित पदाधिकारी इस प्रकार चुने गए हैं: **अध्यक्ष:** दौलत जैन कानूगो, **उपाध्यक्ष:** जितेंद्र बडजात्या मंत्री : संदीप जैन पांड्या ,कोषाध्यक्ष : राजन कासलीवाल। आप सभी नवनिर्वाचित कार्यकारिणी पदाधिकारियों सदस्यों को बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं, आशा करते है कि नव गठित इकाई के रूप में ओर आप सभी पदाधिकारियों ओर सदस्यो के सहयोग से संस्था जोधपुर में ओर आसपास के क्षेत्रों में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी ।

मुख्यमंत्री ने किया राज्य स्तरीय जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार खेलों व खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए लगातार उच्च स्तरीय खेल प्रतिस्पधाओं का आयोजन करवा रही है, जिससे राज्य में आजादी के बाद पहली बार खेलों के लिए सकारात्मक माहौल बना है और एक नई खेल संस्कृति विकसित हुई है। गहलोत उदयपुर के गांधी ग्राउण्ड में राज्य स्तरीय जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों में पहली बार एक साथ 30 लाख खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें 10 लाख महिला खिलाड़ी भी थी। इन खेलों में 2.25 लाख टीमें बनी और इससे ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों के प्रति उत्कृष्ट माहौल बना। अब 26 जनवरी से शहरी ओलंपिक खेल प्रारंभ हो रहे हैं। इस प्रकार के आयोजनों से खेल प्रतिभाओं को तलाशने का कार्य किया जा रहा है।

अम्बाह में भजन प्रतियोगिता संपन्न

मनोज नायक. शाबाश इंडिया।

अम्बाह। आदिनाथ जैन मंदिर में प्रत्येक माह माह होने वाली जैन भजन प्रतियोगिता संपन्न हुई। इस भजन प्रतियोगिता के आयोजन कर्ता पुरूस्कार वितरण कर्ता अमित टकसारी एवं विकास जैन टायर वाले, दिगम्बर सोशल ग्रुप अम्बाह, मंच संचालन राहुल जैन, आकाश जैन, सहयोग कर्ता दिगम्बर जैन समाज अम्बाह,व्यवस्थापक अरिहंत सेवा मंडल, वीतराग शासन बालिका मंडल थे। सभी प्रतियोगियों ने एक से एक सुंदर भजनों की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध किया। सभी लोगों ने सम्मेद शिखर जी के ऊपर भजनों की प्रस्तुति दी। भजन किसी ने जीवन है पानी की बूंद, किसी ने जप लो अरिहंता शानदार प्रस्तुति दी। अंत में सभी प्रतियोगियों को पुरस्कार वितरित किये गए। उक्त कार्यक्रम में महिला, पुरुष, बच्चे एवं युवा साथी सम्मिलित हुए।

वेद ज्ञान

विचार ऊर्जा हैं...

साधक शांत मुद्रा में आंखें बंद करके बैठ जाए और ईश्वर के दिव्य प्रकाश का स्मरण करे, तो अनंत अंतरिक्ष में विशाल प्रकाश पुंज दिखाई पड़ेगा। दोनों हाथ ऊपर की ओर उठाकर मन को नियंत्रित करके उस दिव्य आलोक में प्रवेश करने का प्रयास करें। भागते हुए मन को उस प्रकाश के केंद्र में स्थिर करें यहीं से मौन प्रार्थना शुरू होती है। मौन प्रार्थना का अर्थ है, अपने सकारात्मक विचारों को एकत्र कर किसी दिव्य प्रकाश युक्त बिंदु पर स्थिर करना। प्रार्थना में सबसे महत्वपूर्ण है, आपका सकारात्मक विचार। मनुष्य किस भाव से, किस कारण से, किस कामना की सिद्धि के लिए मंदिर में बैठा है, वह सब परमात्मा समझता है। मौन प्रार्थना में विचार प्रधान होता है। वहां कोई भाषा नहीं होती, केवल विचार होता है। आज विज्ञान भी मानने लगा है कि विचार से पदार्थ प्रभावित हो सकते हैं। वैज्ञानिक आइंस्टीन कहते हैं कि जिस प्रकार पदार्थ के अणु होते हैं, उसी प्रकार विचार के भी अणु होते हैं। अगर पदार्थ के अणु जीवंत हैं, तो विचार के भी अणु जीवंत होते हैं। हम जल में पत्थर फेंकते हैं, तो तरंगें उठती हैं। इसी प्रकार जब हम किसी विषय पर विचार करते हैं, तो वहां भी तरंगें उठती हैं। ये तरंगें पूरे वातावरण में उठती हैं, जो अनंत दिशाओं तक फैल जाती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि विचार अणु के समान स्थूल नहीं है, सूक्ष्म है और सूक्ष्म की कोई सीमा नहीं होती। शायद इसीलिए फ्रांसीसी वैज्ञानिक थाम्पसन ने कहा था कि पृथ्वी पर हम एक फूल तोड़ते हैं, तो उसकी चटक अंतरिक्ष में सुनाई पड़ती है, क्योंकि वह सूक्ष्म है। विचार ऊर्जा है और ऊर्जा को ही एनर्जी कहते हैं। ऊर्जा का कभी नाश नहीं होता, केवल उसका रूप बदल जाता है। शायद इसीलिए संतों के आश्रम के चारों ओर इसी सकारात्मक ऊर्जा का क्षेत्र व्याप्त रहता है और मनुष्य जब उस वातावरण में प्रवेश करता है, तो उस वातावरण की सकारात्मक ऊर्जा से स्वयं प्रभावित होने लगता है। उसे महसूस होने लगता है कि उसके अशांत मन को यहां बड़ी शांति मिल रही है। इसका वैज्ञानिक कारण है कि मनुष्य जब उस क्षेत्र में प्रवेश करता है, तो वहां के वातावरण का प्रभाव उसके शरीर पर पड़ने लगता है और उसके शरीर में जैविक परिवर्तन होने लगता है।

संपादकीय

केंद्र और राज्य देंगे विकास परियोजनाओं को गति

गणतांत्रिक व्यवस्था की मर्यादा है कि केंद्र और राज्य परस्पर मिल कर विकास परियोजनाओं को गति देंगे। राज्यों के विकास में कुछ परियोजनाएं राज्य सरकारें चलाती हैं, तो कुछ केंद्र सरकार। जो महकमे केंद्र के अधीन हैं, उनकी परियोजनाओं का संचालन केंद्र करता है, मगर संबंधित राज्य सरकारों से उनमें अपेक्षित सहयोग की दरकार रहती है। पर जब केंद्र और राज्य में दो अलग दलों की सरकारें होती हैं, तो अक्सर दोनों के बीच सियासी टकराव देखा जाता है। अगर उस राज्य में केंद्र सरकार कोई परियोजना लेकर आती है, तो राज्य सरकार का रुख प्रायः असहयोग का या उदासीन ही देखा जाता है। पश्चिम बंगाल के संदर्भ में यह कुछ अधिक ही है। इसका ताजा उदाहरण हावड़ा से न्यू जलपाईगुड़ी के लिए रवाना की गई पहली वंदे भारत रेल को हरी झंडी दिखाने के मौके पर देखने को मिला। उस कार्यक्रम में नाराज मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंच पर चढ़ने से इनकार कर दिया और वे नीचे सामने की कुर्सी पर बैठी रहीं। हालांकि उन्हें रेलमंत्री और वहां के राज्यपाल ने मनाने का प्रयास किया, पर वे नहीं मानीं। बताया गया कि वे इसलिए नाराज हो गईं कि उन्हें देख कर भाजपा कार्यकताओं ने नारे लगाए। ऐसा पहले भी हो चुका है, जब प्रधानमंत्री की मौजूदगी में ममता बनर्जी अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए मंच से नीचे उतर गई थीं। हालांकि यह कोई अनोखी बात नहीं है, हर राजनीतिक दल के कार्यकर्ता अपने नेताओं के समर्थन और विपक्षी नेताओं के खिलाफ नारेबाजी करते ही हैं। ममता बनर्जी को अपने राजनीतिक जीवन में ऐसी स्थितियों से न जाने कितनी बार दो-चार होना पड़ा होगा। इसलिए उनसे उम्मीद की जाती थी कि वे भाजपा कार्यकर्ताओं की नारेबाजी को नजरअंदाज कर देतीं। मगर यह भी सच है कि मयार्दाओं का पालन दोनों तरफ से अपेक्षित होता है। बेशक वह केंद्र सरकार की परियोजना के उद्घाटन का अवसर था, पर उस राज्य की मुख्यमंत्री अगर वहां अतिथि के रूप में आमंत्रित थीं, तो उनका आदर किया ही जाना चाहिए था। फिर वह ऐसा भी मौका था, जब प्रधानमंत्री की मां का निधन हुआ था और सब शोक में थे, तब कार्यकताओं को सियासी खेल से बचने की जरूरत थी। हालांकि उस घटना को तृणमूल कांग्रेस अपनी नेता के अपमान के रूप में प्रचारित कर रही है, मगर वास्तव में बात इतनी भर नहीं है। असल बात राज्य में केंद्र की परियोजना से जनाधार के इधर से उधर होने के भय की अधिक लगती है। चूंकि ममता बनर्जी केंद्र सरकार पर सदा आक्रामक देखी जाती हैं, उसकी नीतियों और फैसलों पर एतराज जताती रही हैं, इसलिए वे प्रायः केंद्र सरकार के कार्यक्रमों में असहज महसूस करती रही हैं। यह ठीक है कि राजनीतिक समीकरणों के लिए दलगत आधार पर मतभेद प्रकट करना अनुचित नहीं, मगर किसी परियोजना के उद्घाटन के मौके पर ऐसी नाराजगी या अहंकार का प्रदर्शन ठीक नहीं माना जा सकता। जिस रेल का उद्घाटन किया गया, आखिरकार उसका लाभ राज्य के लोगों को ही मिलेगा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

जोखिम की दवा

यह अपने आप में एक बड़ा सवाल है कि मरीज अपने इलाज के लिए कोई दवा ले और वही उसके लिए जानलेवा साबित हो जाए। मगर पिछले तीन महीने के भीतर यह दूसरी बार है, जब खांसी से आराम के लिए दी गई दवा से कई बच्चों की मौत की खबर आई। खबरों के मुताबिक, उज्बेकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने वहां अठारह बच्चों की मौत के लिए भारत में बनने वाली खांसी की दवा को जिम्मेदार ठहराया। जाहिर है, अगर दवा के असर से ही इतनी संख्या में बच्चों की मौत हो गई, तो यह बेहद चिंताजनक मामला है। फिलहाल उज्बेकिस्तान से आई खबर के मद्देनजर भारत में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण की टीम की ओर से निरीक्षण के बाद संबंधित कंपनी की नोएडा इकाई में सभी उत्पादन गतिविधियों को रोक दिया गया है। हालांकि इस मामले में जांच की प्रक्रिया के किसी नतीजे पर पहुंचने के बाद ही यह साफ हो सकेगा कि अगर बच्चों की जान जाने की वजह यह दवा थी, तो उसमें मिलाए गए कौन-से रसायन इसके लिए जिम्मेदार थे। गौरतलब है कि करीब तीन महीने पहले अफ्रीकी देश गांबिया में भी भारत की एक कंपनी की खांसी की दवा लेने से साठ से ज्यादा बच्चों की मौत की खबरें आई थीं। हालांकि उस घटना के बाद दवा के ही घातक होने को लेकर कोई ठोस निष्कर्ष सामने नहीं आ सका था। लेकिन किसी दवा के असर से कई मरीजों के भीतर समान प्रतिक्रिया होती है, तब इस बात की आशंका पैदा होती है कि क्या इसे किसी रासायनिक मिश्रण का दुष्परिणाम माना जा सकता है! उस समय विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्लूएचओ ने इसे लेकर एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसके मुताबिक आरोपों के घेरे में आई खांसी की कुछ दवाएं इंसान के लिए जहर की तरह हैं। डब्लूएचओ का कहना है कि इथिलेन ग्लाइकाल दरअसल ह्यकार्बन कंपाउंडह्न है, जिसमें न खुशबू होती है और न कोई रंग। यह मीठा होता है, जिसे बच्चों के लिए तैयार खांसी की दवा में इसलिए मिलाया जाता है, ताकि वे उसे आसानी से पी सकें। लेकिन अगर किन्हीं वजहों से इसकी मात्रा में असंतुलन हो जाता है, तो यही दवा जानलेवा साबित हो सकती है। यही वजह है कि ये दवाएं अमेरिका, आस्ट्रेलिया और यूरोप के कई देशों में प्रतिबंधित हैं। सवाल है कि क्या दवा तैयार करने में इस रसायन के संतुलित प्रयोग का ध्यान नहीं रखा गया? या फिर बच्चों को यह दवा देते समय मात्रा और खुराक की सीमा का खयाल रखने में चूक हुई? इन पहलुओं का जवाब विस्तृत जांच के बाद ही सामने आएगा। मगर यह तथ्य है कि ऐसी कई प्रतिबंधित दवाएं कुछ देशों में खुलेआम उपलब्ध होती हैं और कई बार खुद चिकित्सक भी उसे लेने की सलाह दे देते हैं। आखिर किसी दवा पर पाबंदी की वजह यही होती होगी कि उसमें मौजूद कोई रसायन या तत्त्व मरीजों की सेहत या जान तक के लिए जोखिम भरा या जानलेवा साबित हो सकता है! लोग किसी तकलीफ से निजात के लिए बिना चिकित्सीय सलाह के भी कोई दवा खरीद लेते हैं, जो घातक हो सकती है। मगर दुनिया में कहीं भी प्रतिबंधित कोई दवा खुले बाजार में कैसे बेची जाती है? जरूरत यह है कि एलोपैथी दवाओं के उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाने के साथ-साथ कंपनियों के दवा निर्माण से लेकर उसके कारोबार तक पर भी सख्त निगरानी रखी जाए, ताकि जिंदगी बचाने या कोई तकलीफ दूर करने की हड़बड़ी में ली गई कोई दवा जानलेवा न साबित हो!

सम्मेद शिखर जी की पवित्रता बरकरार रखने के लिए भारत सरकार ने जारी किए आदेश

जैन समाज के लगातार विरोध के बाद पर्यटन एवं इको टूरिज्म गतिविधियों पर लगी रोक

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के सर्वोच्च शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखरजी पर्वत क्षेत्र को पर्यटन स्थल घोषित किए जाने के खिलाफ सम्पूर्ण विश्व में जैन समाज द्वारा लगातार किये जा रहे विरोध प्रदर्शन को देखते हुए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला किया है। पर्यटन, इको टूरिज्म गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है ।इस सम्बन्ध में भारत सरकार के पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (वन्य जीव प्रभार) के वन महानिरीक्षक (वन्य जीव) रोहित तिवारी द्वारा गुरुवार को जारी कार्यालय ज्ञापन पर जयपुर के सकल जैन समाज ने संतोष व्यक्त करते हुए अगस्त 2019 में जारी अधिसूचना को निरस्त करने तथा सम्मेदशिखरजी सिद्ध क्षेत्र को पवित्र जैन तीर्थ घोषित करने की मांग की है। भारत सरकार द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन पर संतोष व्यक्त करते हुए सम्मेद शिखर शाश्वत सिद्ध क्षेत्र को पवित्र जैन तीर्थ स्थल घोषित करने, पर्वत पर जाने वाले लोगो की स्क्रीनिंग करने, सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने, पर्वत पर नये निर्माण नहीं करने सहित जैन परम्परा अनुसार ही नंगे पैर पर्वत की वन्दना करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। सकल जैन समाज जयपुर की ओर से राजस्थान के सभी सांसदों को ज्ञापन भिजवाया गया है ।सभी विधायकों को भी पवित्र जैन तीर्थ स्थल घोषित करने की मांग का ज्ञापन भिजवाया जाएगा। भारत सरकार द्वारा जारी इस कार्यालय ज्ञापन में पारसनाथ क्षेत्र में शराब, तेज आवाज में गाने और मांस की बिक्री आदि पर भी पाबंदी लगाई गई है। इस सम्बन्ध में सांगानेर स्थित दिगम्बर जैन मंदिर संघीजी में प्रवासरत आचार्य सुनील सागर महाराज एवं आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मुनि समर्थ सागर महाराज द्वारा किए जा रहे तप संल्लेखना तथा अन्न के त्याग की खबर सुनकर गुरुवार को भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, अरुण चतुर्वेदी,भाजपा नेता सुनील कोठारी,संजय जैन, राजस्थान पत्रिका के गुलाब कोठारी, वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चन्द्र छाबड़ा, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविन्द्र बज, श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की शीला डोड्या, मुनि संघ प्रबंध समिति पार्श्वनाथ भवन के अध्यक्ष देव प्रकाश खण्डाका, पार्षद पारस पाटनी, खरतरगच्छ समाज के संजय ख्वाड, राजीव जैन गाजियाबाद,गौरव जैन सहित अन्य गणमान्य श्रेष्ठी जन मुनि श्री समर्थ सागर महाराज से अनशन समाप्त कर अन्न ग्रहण करने के लिए निवेदन करने पहुंचे। इस मौके पर सभी ने आचार्य सुनील सागर महाराज से निवेदन कर मुनि श्री को अन्न ग्रहण करने का निर्देश देने हेतु कहा। मुनि श्री ने सम्मेद शिखर को पवित्र जैन तीर्थ स्थल घोषित करने तक अन्न त्याग रखने की घोषणा दोहराई। इस दौरान भारत सरकार द्वारा कार्यालय ज्ञापन जारी करने की जानकारी मिलने पर उपस्थित समाजबंधुओं ने संतोष व्यक्त करते हुए सम्मेद शिखर शाश्वत सिद्ध क्षेत्र को पवित्र जैन तीर्थ स्थल घोषित करने की मांग दोहराई। उल्लेखनीय है कि पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव जी ने जैन समाज की आहत भावनाओं की कद्र करते हुए झारखंड सरकार के पर्यटन स्थल घोषित करने के फैसले पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार के इस क्षेत्र को पर्यटन स्थल घोषित करने से जैन समाज को इस पूरे क्षेत्र की पवित्रता को खतरा लग रहा था। उन्होंने सभी पर्यटन एवं इको टूरिज्म गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाते हुए इस पूरे क्षेत्र परिधि में मांस-मदिरा की बिक्री नहीं होगी तथा पवित्रता का पूरा ध्यान रखा जाएगा। केंद्र ने कमेटी बनाते हुए कहा है कि राज्य सरकार समिति में जैन समुदाय से 2 सदस्यों को शामिल करे. वहीं, एक सदस्य स्थानीय जनजातीय समुदाय से शामिल किया जाए. केंद्र ने राज्य को 2019 की अधिसूचना के खंड 3 के प्रावधानों पर रोक लगाने के आदेश भी दिए हैं। यह फैसला केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की जैन समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात के बाद आया है. केंद्रीय मंत्री ने मीटिंग में जैन समाज के लोगों को भरोसा दिया था कि मोदी सरकार सम्मेद शिखर की पवित्रता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

DJSGF का राष्ट्रीय अधिवेशन तथा डांस के सितारे सीजन - 3 का मेगा फाइनल 7 जनवरी को होगा उज्जैन में

जयपुर/उज्जैन. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के तत्वावधान में राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा बैंक आफ बड़ोदा के सोजन्य से अखिल भारतवर्षीय नृत्य का महा मुकाबला DJSGF डांस के सितारे सीजन-3 का मेगा फाइनल 7 जनवरी को उज्जैन के कान्हा वाटिका में आयोजित किया जा रहा है। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि जिसमें देश भर के सभी ग्रुप से आए प्रतिभागी 5 प्रतिस्पर्धा में भाग लेंगे। सभी प्रतिभागी अपने अपने रीजन में जीत कर आये हैं। मेगा फाइनल में विजेताओं तथा प्रतिभागियों के लिये अनेक आकर्षक पुरुष्कार रखे गये हैं। प्रतियोगिता के सुरेन्द्र कुमार पाण्डया राष्ट्रीय चेयर मेन, नवीन सेन जैन राष्ट्रीय मुख्य समन्वयक, शशि सेन जैन राष्ट्रीय को -चेयर मेन, यश कमल अजमेरा राष्ट्रीय समन्वयक है। रीजन महासचिव निर्मल संघी ने बताया कि जयपुर से 110 सदस्यों का दल उज्जैन में उज्जैन रीजन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेगा तथा अधिवेशन का मुख्य आकर्षण देश के सभी ग्रुपों का बैनर प्रेजेंटेशन होगा जिसमें जयपुर के ग्रुप भी भाग ले रहे हैं। रीजन कोषाध्यक्ष पारस कुमार जैन ने बताया कि जयपुर से वीर ग्रूप, मैत्री ग्रूप, संगिनी फार एवर ग्रुप, गुलाबी नगर ग्रूप, वात्सल्य ग्रूप, सम्यक ग्रूप, पार्श्वनाथ ग्रूप, जयपुर मैन ग्रूप, सन्मती ग्रूप भाग ले रहे हैं।

18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में राजस्थान नाइट, बिखरी राजस्थानी लोक संस्कृति की छटा

जयपुर. शाबाश इंडिया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पाली के रोहट में आयोजित 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के दौरान राजस्थान नाइट में शिरकत की। राजस्थान नाइट के दौरान स्काउट-गाइड ने प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में प्रचलित लोक नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। स्टेडियम के बीच जम्बूरी स्थल पर बनाये गए मंच पर राजस्थानी लोक संस्कृति से सरोबार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। इस दौरान राजस्थान के प्रसिद्ध कलाकारों ने भी प्रस्तुतियां देकर पहले दिन की संध्या को यादगार बनाया। समारोह में शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला, भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल कुमार जैन, राजस्थान राज्य भारत स्काउट एण्ड गाइड के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य, पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़, स्काउट-गाइड के पदाधिकारियों सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्त्री त्याग और प्रेम के दो किनारे

जयपुर. शाबाश इंडिया

रवीन्द्र मंच पर आयोजित किये जा रहे रंगनाट्यम इंटिमेट थिएटर फेस्टिवल के तीसरे दिन जयपुर की युवा अभिनेत्री अन्नपूर्णा शर्मा के निर्देशन में नाटक दो किनारे का मार्मिक मंचन किया गया । पंकज सुबीर एवम तपन भट्ट द्वारा लिखित दो कहानियों को एक सूत्र में पिरोकर रचे गए इस नाटक में स्त्री त्याग और प्रेम को बहुत ही खूबसूरत तरीके से बताया गया ।नाटक में स्त्री के जीवन के दो किनारों को दशार्या गया। पहले किनारे में दिखाया गया कि औरतों की दुनिया बहुत गहरी और अलग किस्म की होती है। इस दुनिया की भीतरी परतों तक शायद ही कोई मर्द पहुंच पाता हो। घर के दो मर्द जब आपस में लड़ाई करते हैं तो समाज शायद यही सोचता है कि इनकी पत्नियां इन्हें भड़काती हैं और इन्ही के कारण इनमें मतभेद हैं। सारे ताने, सारे इल्जाम औरतों को ही झेलने पड़ते हैं। परंतु कोई नहीं जानता कि परिवार के मर्दों की आपस की लड़ाई में औरतें कितना कुछ खो देती हैं। वहीं दूसरी कहानी में ये बताया गया कि औरतें कही भी हो घर में अथवा बाहर उनका योगदान सदैव बहुत बड़ा होता है। समाज हमेशा औरतों के योगदान को नजरअंदाज करता आया है । हमारे देश मे कितनी ही ऐसी महिलाएं हैं जिन्होंने देश के लिए अपने पति, बच्चों को बिना उफ करे सीमा पर भेज दिया । औरते कितना त्याग करती ही ये कोई नहीं जान पाता। समाज बस उसके बाहरी समर्थन को देखता है, जबकि औरत देश, रिश्ते, समाज और घर के लिए सब कुछ न्योछावर कर देती है। इन पात्रों ने किया अभिनय। नाटक में मुख्य भूमिका स्वयं अन्नपूर्णा शर्मा ने निभाई और अपने कसे हुए अभिनय से दर्शकों पर छाप छोड़ी। साथ ही पति की भूमिका में राहुल और बेटे की भूमिका में सुशील शर्मा ने उम्दा अभिनय किया। साथी कलाकारों में कमलेश चंदानी, शुभम अग्रवाल, किरण, अंकित, प्रकाश ने प्रभवित किया। फेस्टिवल में चौथे दिन हिमाचल की टीम द्वारा नाटक भगवान के पूत का मंचन किया जाएगा।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन जिला शाखा अजमेर

रविवार को अजमेर में निकाली जाने वाली महालक्ष्मी रथयात्रा में शामिल होने के लिये पीले चांवल व पत्रक वितरित किये

कुलदेवी आध्य महालक्ष्मी जन आशीर्वाद रथयात्रा ने गुरुवार को पुष्कर में भ्रमण किया, शुक्रवार को ब्यावर में रहेगा रथ यात्रा कार्यक्रम

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। अग्रोहा शक्ति पीठ में निर्माणाधीन आध्य महालक्ष्मी जी एवं अष्टलक्ष्मी जी के विशाल एवं विश्वस्तरीय भव्य मंदिर के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा देश के प्रत्येक अग्रवाल परिवार व आमजन की भावना को इस मंदिर निर्माण से जोड़ने के उद्देश्य से निकाली जा रही रथ यात्रा का अजमेर आगमन के चतुर्थ दिवस गुरुवार को तीर्थ नगरी किशनगढ़ में भव्य स्वागत किया गया तथा अजमेर में रविवार को निकाली जाने वाली महालक्ष्मी जी के रथ की भव्य शोभायात्रा के लिये शोभायात्रा मार्ग सीताराम बाजार, केसरगंज आदि क्षेत्रों में पीले चांवल व मंदिर निर्माण संबंधी पत्रक बांटकर निमंत्रण दिया गया। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, जिला शाखा अजमेर के जिला अध्यक्ष गिरधारीलाल मंगल व जिला महामंत्री पूर्व पार्षद शैलेंद्र अग्रवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि लगभग एक वर्ष पूर्व महालक्ष्मी जी के 18 रथ अलग अलग स्थानों से निकाले गये थे जो 11 लाख किलोमीटर की यात्रा करेंगे। मंगल व अग्रवाल ने बताया कि अग्रोहा शक्तिपीठ में निमार्णाधीन भव्य मंदिर को लेकर निकाली जा रही रथयात्रा को लेकर पूरे जिले में उत्साह का माहौल है तथा समाज बंधु तन मन धन से भरपूर सहयोग कर रहे हैं। सभी जगह अग्रवाल बंधुओं के साथ ही आमजन भी महालक्ष्मी जी का पूजन व आरती कर रहे हैं वहीं मंदिर निर्माण के लिये अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन संस्था द्वारा जारी की गयी हुंडी लेने के लिये भी बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। गिरधारीलाल मंगल व शैलेंद्र अग्रवाल ने बताया कि अजमेर जिले में रथयात्रा का 8 जनवरी रविवार को समापन होगा इस अवसर पर ब्ल्यू केसल सीताराम बाजार से भव्य शोभायात्रा निकाली इस शोभायात्रा में अग्रवाल बंधुओं के साथ ही आमजन को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ने के उद्देश्य से आज सीताराम बाजार, केसरगंज पुलिस चौकी रोड़ आदि क्षेत्रों में समाज बंधुओं व व्यापारियों को संस्था पदाधिकारियों ने पीले चांवल व मंदिर निर्माण व रथयात्रा की जानकारी संबंधी रंगीन पत्रक बांटकर निमंत्रण दिया गया। समाज बंधुओं व व्यापारियों से संपर्क करने वालों में संस्था जिलाध्यक्ष गिरधारीलाल मंगल, महामंत्री पूर्व पार्षद शैलेंद्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पीयूष अग्रवाल, अनिल मित्तल, विनय गुप्ता, मनीष गोयल, राजेंद्र अग्रवाल, चंद्रनारायण अग्रवाल, जय गोयल व कैलाश अग्रवाल आदि पदाधिकारी शामिल थे।

स्कूलों में 15 जनवरी तक बढ़ सकती हैं छुट्टियां

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में लगातार बढ़ती सर्दी के बाद शिक्षा विभाग एक्टिव मोड में आ गया है। गुरुवार को शिक्षा विभाग के निदेशक गौरव अग्रवाल ने प्रदेश के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में 15 जनवरी तक छुट्टियां घोषित करने के लिए जिला कलेक्टर को अधिकृत किया है। ऐसे में अब जिला स्तर पर शिक्षा अधिकारी मौसम के अनुसार स्कूलों के समय में परिवर्तन के साथ 15 जनवरी तक छुट्टियों की घोषणा कर सकते हैं। हालांकि से पहले

जयपुर में जिला कलेक्टर के आदेश के बाद 7 जनवरी तक स्कूलों में छुट्टियां घोषित की गई है। वहीं प्रदेश के दूसरे जिलों में आज शाम तक छुट्टियां को लेकर आदेश जारी हो सकते है। शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने बताया कि प्रदेशभर में लगातार सर्दी का असर बढ़ रहा है। पहले 5 जनवरी तक स्कूलों में छुट्टियां घोषित की गई थी। लेकिन सर्दी और हवा में गलन दिनों-दिन बढ़ रही है। ऐसे में जिला स्तर पर कलेक्टर को छुट्टियां घोषित करने की पावर दी गई है। ताकि स्कूली बच्चों को सर्दी के प्रकोप से बचाया जा सके। जयपुर जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार हंस ने बताया कि जिला कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के सुझाव के बाद 7 जनवरी तक जयपुर में छुट्टियां घोषित की हैं।

स्वस्तिभूषण माताजी का मुरेना आगमन 8 जनवरी को

भव्य शोभायात्रा के साथ होगा मंगल प्रवेश

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। परम विदुषी लेखिका गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी मुरेना नगरागमन रविवार 08 जनवरी को होने जा रहा है। श्री पार्श्वनाथ जैन बड़ा मन्दिर कमेटी मुरेना के अध्यक्ष महेशचंद बंगाली एवं धर्मेंद्र जैन एडवोकेट द्वारा प्रदत्त जानकारी के मुताविक परम पूज्य सिंहरथ प्रवर्तक, त्रिलोकतीर्थ धाम प्रणेता, उत्तर भारत के प्रथम दिगम्बराचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज (छाणी) परम्परा के पंचम पट्टाचार्य श्री विद्याभूषण सन्मतिसागर जी महाराज की परम प्रभावक शिष्या परम पूज्य स्वस्तिधाम प्रणेत्री, भारत गौरव, विदुषी लेखिका गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ का लगभग 15 वर्षों के पश्चात मुरेना नगर में आगमन हो रहा है । पूज्य आर्यिका संघ वर्तमान में श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन ज्ञानतीर्थ क्षेत्र मुरेना में श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के निमित्त विराजमान हैं। सकल जैन समाज मुरेना नगर के प्रवेश द्वार वैरियर चौराहे पर प्रातः 09.बजे एकत्रित होकर पूज्य आर्यिका संघ की भव्य अगवानी करेगा । नगर के प्रवेश द्वार पर जैन समाज के वरिष्ठजन बन्दामी बोलकर एवं महिलाएं सिर पर मंगल कलश रखकर, चौक बनाकर पूज्य आर्यिका माताजी पाद प्रक्षालन व आरती करके अगवानी करेंगीं। वैरियर चौराहे से बैंड बाजों के साथ पूज्य आर्यिका संघ को लेकर भव्य एवं विशाल शोभयात्रा प्रारम्भ होगी । शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों एम एस रोड, पुल तिराहा, सदर बाजार, हनुमान चौराहा, मार्कण्डेश्वर बाजार, स्टेशन रोड, शंकर बाजार, सदर बाजार, सर्राफा बाजार, लोहिया बाजार भृमण करती हुई श्री पार्श्वनाथ जैन बड़ा मन्दिर मुरेना पहुंचेंगी। जैन मंदिर जी में पूज्य गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी विशाल धर्मसभा को संबोधित करेगी । शोभायात्रा के नगर भृमण के दौरान जगह जगह आर्यिका माताजी का पाद प्रक्षालन एवं आरती उतारकर अगवानी की जाएगी। जैन के मुताविक पूज्य आर्यिका संघ ज्ञानतीर्थ से रविवार 08 जनवरी को प्रातः 08 बजे पद विहार प्रारंभ करेंगी और लगभग 11 बजे बडे जैन मंदिर मुरेना पहुंचेंगी। पूज्य गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी की अगवानी एवं भव्य शोभायात्रा में जैन समाज की प्रमुख संस्थाए बड़ा जैन मंदिर कमेटी, चन्द्रप्रभु मन्दिर कमेटी, सँस्कृत महाविद्यालय कमेटी, श्रमण संस्क्रति न्यास, यंग दिगम्बर जैन फाउंडेशन, श्रमण सेवा समूह, जिनेन्द्र सेवा समूह, जैन मिलन, नसियां जी युवा मंडल, समस्त महिला मंडल, समस्त बालिका मंडल, समस्त जैन स्वयं सेवी संस्थाए सहित सैकड़ों की संख्या में साधर्मी बन्धुवर, माताएं, बहिनें उपस्थित रहेगीं।

जैन समाज ने गिरिडीह में मौन जुलूस रैली निकाल विरोध दर्ज कराया

गिरिडीह. शाबाश इंडिया

सम्मेद शिखर तीर्थ क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र बनाने के विरोध में श्री दिगंबर जैन समाज के सैकड़ों लोग आज गिरिडीह में मौन जुलूस रैली में शामिल हुए। समाज के मंत्री ललित जैन सेठी और राष्ट्रपति पुरस्कार सम्मानित सुरेश झाझंरी ने कोडरमा समाज के लोगों का प्रतिनिधित्व किया, पूरे झारखंड के जैन समाज के हजारों लोग यहां पर एकत्रित हुए, मौन जुलूस के रूप में शांतिपूर्वक चलते हुए पूरे नगर का भ्रमण किया और उपायुक्त कार्यालय में पूरे झारखंड समाज के प्रतिनिधि मंडल ने संयुक्त रूप से ज्ञापन सौंपा, झारखंड के कोडरमा, गिरिडीह, रांची, धनबाद, चतरा, चौपारण, इटखोरी, कतरास, हजारीबाग देवघर, रामगढ़ ,झरिया, महि जाम, गोमिया, पेटरवार, समाज के हजारों जैन धर्म के अनुयाई इस रैली में शामिल हुए, इस रैली में शामिल होने के लिए पूरे झारखंड के लोग सुबह से ही गिरिडीह पहुंचने लगे, गिरिडीह से पंजाबी समाज, अन्य कई समाज के लोगों ने इस रैली में भाग लिया और जैन समाज के लोगों का समर्थन किय, जैन धर्म के लोगों का कहना है कि सम्मेद शिखर पर्वत किसी भी परिस्थिति में पर्यटन क्षेत्र स्वीकार नहीं होगा, यह तीर्थ क्षेत्र पूरे भारतवर्ष विश्व के करोड़ों जैन धर्मावलंबियों की आस्था और संस्कृति का केंद्र है हम निवेदन करते हैं कि हमारी भावनाओं को झारखंड के मुख्यमंत्री और भारत सरकार के पास पहुंचाया जाए, और इसे धार्मिक अहिंसक पवित्र तीर्थ क्षेत्र घोषित किया जाए, पूरे भारतवर्ष में सभी शहरों में इसका विरोध हो रहा है, निवर्तमान पार्षद पिंकी जैन ने कहा कि जैन समाज सभी धर्मों का सम्मान करती है सत्य शांति और अहिंसा मैं ही विश्वास रखती है राष्ट्र निर्माण में जैन समाज का बहुमूल्य योगदान रहता है, हम सभी झारखंड भारतवर्ष के जैन समाज के लोग निवेदन करते हैं कि जैन धर्म का सर्वोच्च तीर्थ सम्मेद शिखर पारसनाथ को जैन धर्म के अनुरूप ही पवित्र तीर्थ क्षेत्र घोषित किया जाए जिससे धर्म क्षेत्र की मयार्दा और गरिमा विद्यमान रह सके मौके पर जैन समाज के उप मंत्री नरेंद्र झाझंरी, उपाध्यक्ष कमल जैन सेठी, सुरेश सेठी, मनीष सेठी, जैन महिला समाज की अध्यक्ष नीलम सेठी, मंत्री आशा गंगवाल ,किरण ठोलिया, प्रेम झाझरी, सोना शेट्टी, दिव्या छाबड़ा, बबीता जैन, सीमा जैन, अलका शेट्टी,उषा कासलीवाल, मुकेश सेठी, टुन्नू अजमेरा, सुशील काला ,ममता काला, अजय गंगवाल, संजू ठोलिया आदि सैकड़ों लोग शामिल थे। यह सभी जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी नवीन जैन, राजकुमार अजमेरा ने दी।

अखिल भारतीय खंडेलवाल वैश्य युवा जागृति संघ द्वारा रक्तदान शिविर 29 जनवरी को

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय खंडेलवाल वैश्य युवा जागृति संघ हर वर्ष बसंत पंचमी पर खंडेलवाल दिवस के अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता रहा है। दिनेश कुमार नाटाणी महामंत्री दायित्व ने बताया कि उसी कड़ी के अंतर्गत इस वर्ष भी दिनांक 29 जनवरी 2023 को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन गंगा माता मंदिर, जनाना हॉस्पिटल के सामने, चांदपोल में किया जा रहा है। शिविर का मुख्य संयोजक सतीश तांबी को बनाया गया है। अध्यक्ष कुंज बिहारी नाटाणी ने बताया कि रक्तदान शिविर में रक्त देने वाले रक्तदाताओं के पूर्व मे ही डिजिटल रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था भी की गई है ताकि भविष्य में उनसे संपर्क किया जा सके।

जल जीवन मिशन के लक्ष्य की ओर बढ़ते कदम प्रदेश में 32 लाख 16 हजार ग्रामीण घरों तक पहुंचा नल से जल

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रदेश के हर घर जल पहुंचाने के मिशन के तहत अब तक ग्रामीण क्षेत्रों में 32 लाख 16 हजार घरों तक नल कनेक्शन कर दिए गए हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2024 तक प्रदेश में गांवों के हर घर तक नल पहुंचे, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को पीने के साफ पानी के लिए दूर-दराज क्षेत्रों में न भटकना पड़े और ना ही पानी की अनुपलब्धता के कारण गांवों से पलायन करना पड़े। ग्रामीण इलाकों के निवासियों को भी शहरों की तरह ही घरों में पानी का कनेक्शन मिले और स्वच्छ जल उपलब्ध हो, इसी उद्देश्य के साथ अगस्त, 2019 में जल जीवन मिशन की शुरूआत की गई। मिशन के तहत प्रदेश सरकार द्वारा अभी तक 11 हजार 422 करोड़ रुपए की लागत से 32 लाख 16 हजार ग्रामीण घरों तक नल कनेक्शन पहुंचाए गए हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर में बह रही धर्म की गंगा

तीर्थों को पर्यटन स्थल नही, पर्यटन स्थलों को तीर्थ बनाना चाहिये: आचार्य सुनिल सागर जी महाराज

प्रभु की भक्ति ही फल देगी, आज नहीं तो कल देगी: आचार्य शशांक सागर महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर में परम पूज्य आचार्य 108 सुनिलसागरजी महाराज ने अपने मांगलिक प्रवचनों में कहा कि तीर्थ राज सम्मेद शिखर जी पर जो उपसर्ग आया है वह अतिशीघ्र ही समाप्त हो जायेगा। मुनि बहुत ही सरल, निश्चल , शांत एवं निर्ग्रन्थ होते है, किसी पवित्र तीर्थ की पवित्रता पर यदि कोई आंच आती है तो ऐसे मुनियों के मन में भी विकल्प आ जाते है और वे इन पवित्र तीर्थों के पवित्रता को यथावत रखने के लिये आमरण अनशन कर लेते है तो यह बड़ा सोचनीय प्रश्न है। आचार्यने अनेक तीर्थक्षेत्रों का उदाहरण देते हुये बताया कि आज उन क्षेत्रों को पर्यटन स्थल घोषित करने से वहां की पवित्रताऐं बाधित हो रही है। अब आवश्यकता है कि पर्यटन स्थलों को तीर्थक्षेत्र ही बनाया जावे जिससे भारतीय संस्कृति का विकास हो और यहां की प्राचीनतम परम्पराओं का ज्ञान और लाभ विदेशी पर्यटक भी ले सकें। इससे पूर्व आचार्य शशांक सागरजी महाराज ने भी अपने उद्गार व्यक्त करते हुये कहा कि हमें खयाल ही उनका आता है जो हमारा खयाल नही रख पाते। उदाहरण के रूप में हम अपने शरीर को खूब खिलाते है और उसे बिमारियों का घर बना लेते हैं लेकिन हम आत्मा का पोषण नही करते, आत्मा का पोषण ही आपका कल्याण करेगा। अतः हमें प्रभु की भक्ति से ही अपनी आत्मा का पोषण करना चाहिये क्योंकि प्रभु की भक्ति ही फल देगी, आज नही तो कल देगी। आज धर्मसभा में आर्यिका सम्पूर्णमती माताजी ने भी अपने भावों को व्यक्त करते हुये बताया कि हमें अपनी आत्मा

आत्मा ही नहीं आत्मीयता को भी निर्मल बनाओ: सम्पूर्णमती माताजी

को ही नही आत्मीयता को भी निर्मल बनाना होगा। तभी हमारा कल्याण होगा। क्योंकि जब तक दूसरों के प्रति दयाभाव जाग्रत नही होगा आपकी मानवता का पोषण नही होगा। मानदमंत्री सुरेश कासलीवाल ने बताया कि आज देवाधिदेव आदिनाथ भगवान के प्रथम अभिषेक, धर्मसभा में आदिनाथ भगवान के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन, आचार्य संघ को शास्त्र भेंट एवं पादप्रक्षालन दि.जैन श्रेष्ठी श्रेयांस जी प्रियांशजी जैन गुडगांवा परिवार ने कर पुण्यार्जन प्राप्त किया। मन्दिर कमेटी के प्रेमचन्द बज, सुरेश कासलीवाल, राकेश रांवका, संजय छाबडा, ज्ञानचन्द सौगाणी नरेन्द्रबज एवं अन्य पदाधिकारियों ने सभी श्रेष्ठियों का सम्मान कर आभार व्यक्त किया। धर्मसभा का शुभारम्भ कलावती जैन मुम्बई ने मंगलाचरण करके की एवं मंच संचालन इन्द्रा बडजात्या ने किया।

राज्यपाल मिश्र ने बढ़ती सर्दी को देखते हुए जरूरतमंदों को कम्बल बांटे

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने शीत लहर और बढ़ी हुई सर्दी को देखते हुए बेसहारा एवं जरूरतमंद लोगों को राहत देने के लिए राजभवन में गुरुवार को उन्हें कम्बल वितरित किए। उन्होंने कहा कि सर्दी के प्रकोप को देखते हुए आगे भी निर्धन एवं वंचित लोगों को चिन्हित कर राजभवन की ओर से जरूरी सहायता प्रदान की जायेगी। मिश्र ने आमजन से अपील की है कि जरूरतमंद लोगों के साथ जीव-जंतुओं के प्रति भी दयाभाव रखते हुए सर्दी से बचाव के लिए उनकी यथा संभव सहायता करें।